व.व.अ.सं., जोरहाट ने वन आधारित आजीविका के अवसरों पर कौशल विकास प्रशिक्षण का आयोजन किया

भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट (असम) ने एएयू–सुगरकेन, औषधीय और सुगंधित पौधे अनुसंधान स्टेशन, बुरालिकसन, गोलाघाट (असम) के सहयोग से वन आधारित आजीविका के अवसरों पर दिनांक 21 और 22 अगस्त, 2023 के दौरान दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया। उद्घाटन सत्र में डॉ. टी.पी. सैकिया, मुख्य वैज्ञानिक, श्री अरुण बिकास बरुआ, सेवानिवृत्त हेड मास्टर, व.व.अ.सं. के वैज्ञानिक श्री आर.के. कलिता, श्री सत्यम बोरदोलोई और अन्य लोग शामिल हुए। अगरवुड पर पहला तकनीकी सत्र श्री सत्यम बोरदोलोई द्वारा संचालित किया गया, जिन्होंने अगर नर्सरी, खेती और कृत्रिम संरोपण से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर चर्चा किया। अगर के पेड़ों में फंगल इनोकुलम के कृत्रिम संरोपण पर व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया। इसका प्रदर्शन व.व.अ.सं., जोरहाट के श्री आर.के. कलिता, सुश्री काजल गुप्ता और सुश्री गुरप्रीत कौर द्वारा किया गया।

अनुसंधान स्टेशन के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. टी. पी. सैकिया ने कृषि वानिकी पर एक प्रस्तुति दी। प्रतिभागियों ने अनुसंधान स्टेशन की क्षेत्रीय गतिविधियों का भी दौरा किया।

दूसरे दिन, श्री आर.के. कलिता, वैज्ञानिक, व.व.अ.सं., जोरहाट ने बांस पर प्रशिक्षण दिया। उन्होंने बांस की नर्सरी, प्रवर्धन, खेती और उपयोग के पहलुओं पर प्रस्तुति दी। उन्होंने बांस के विविध अनुप्रयोगों के बारे में प्रतिभागियों को जागरूक किया। श्री देबोजीत नियोग, तकनीकी सहायक, व.व.अ.सं. ने व्यावहारिक रूप से बांस की विभिन्न प्रवर्धन तकनीकों का प्रदर्शन किया। डॉ. विश्वनाथ शर्मा, वैज्ञानिक, व.व.अ.सं., जोरहाट ने गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री के उत्पादन में बीजों की भूमिका पर प्रशिक्षण दिया।

एएयू, जोरहाट के अनुसंधान निदेशक डॉ. मृणाल सैकिया ने भी प्रतिभागियों को संबोधित किया और उन्हें कृषि को व्यवसायिक रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कृषि के नए अवसरों के बारे में भी बताया और 'कार्बन ट्रेडिंग' और इसके लाभों पर जोर दिया।

प्रशिक्षण के अंत में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किये गये।

GLIMPSES OF THE TRAINING PROGRAMME

वन आधारित आजीविका के अवसरों पर कौशल विकास प्रशिक्षण का आयोजन | 2023

वन आधारित आजीविका के अवसरों पर कौशल विकास प्रशिक्षण का आयोजन | 2023

वन आधारित आजीविका के अवसरों पर कौशल विकास प्रशिक्षण का आयोजन | 2023

वन आधारित आजीविका के अवसरों पर कौशल विकास प्रशिक्षण का आयोजन | 2023

Aug 23, 2023

WINDOW TO THE EAST
EasternChronicle
WEATHERWATCH Max 29°c Min 26°c Humidity 91%
DELHI RIOTS: COURT ORDERS framing charges of arson, theft against 5 accused P 2
KEEPING CONSUMER inflation rate at check P 8
DEBUTANT SHA'CARRI Richardson Crowned As 100m Women's World Champion P 10
VOL 14, ISSUE 143 PUBLISHED SIMULTANEOUSLY FROM GUWAHATI KOLKATA SILCHAR PAGES:10 epaper at: www.easternchronicle.net PRICE ₹ 6 WEDNESDAY, AUGUST 23, 2023

RFRI, Jorhat conducts skill development training on forest-based livelihood opportunities

CHRONICLE NEWS SERVICE

JORHAT: ICFRE-Rain Forest Research Institute, Jorhat (Assam) successfully conducted a two-day training programme during 21 and 22 August 2023 on forest-based livelihood opportunities in association with AAU-Sugarcane, Medicinal, and Aromatic Plants Research Station, Buralikson, Golaghat (Assam). Dr. T. P. Saikia, Chief Scientist, Arun Bikas Baruah, Rtd Head Master, R K Kalita, Satyam Bordoloi, Scientists of RFRI, and others attended the inaugural session. The first technical session on Agar was conducted by Satyam Bordoloi who covered various aspects related to Agar nursery, cultivation, and artificial inoculation. There was a practical demonstration on artificial inoculation of fungal inoculums on Agar trees. It was demonstrated by R. K. Kalita, Kajal Gupta, and Gurpreet Kaur of RFRI, Jorhat.

Dr. T. P. Saikia, Chief Scientist of the Research Station delivered a presentation on Agroforestry. The participants also visited the field activities of the Research Station. On the second day, R. K. Kalita, Scientist, RFRI, Jorhat imparted training on bamboo. He delivered a presentation on bamboo nurseries, propagation, cultivation, and utilization aspects. He sensitized the participants on manifold applications of bamboos. Debojit Neog, Technical Assistant, RFRI practically demonstrated different propagation techniques of bamboo. Dr. Biswanath Sharma, Scientist, RFRI, Jorhat imparted training on the role of seeds in producing quality planting material. Dr. Mrinal Saikia, Director of Research, AAU, Jorhat also addressed the participants and encouraged them to take up agriculture on business mode. He also informed them about new avenues of agriculture and stressed on 'Carbon Trading' and its benefits. Certificates were also distributed to the participants at the end of the training.

Aug 23, 2023

PRAG NEWS
জাতিৰ আৱেগ সমাজৰ বিবেক
দৈনিক জনমভূমি
Rengoni
NE NEWS
e-paper : www.dainikjanambhumi.co.in

Page-09

কৃষি ভিত্তিক আজীৱিকা সুবিধাসমূহৰ বিষয়ত প্ৰশিক্ষণ সম্পন্ন

যোৰহাট ঃ ২২ আগষ্ট ঃ যোৰহাটৰ বৰ্ষাৰণ্য গৱেষণা প্ৰতিষ্ঠান আৰু গোলাঘাটৰ অসম কৃষি বিশ্ববিদ্যালয়ৰ অধীনৰ বুঢ়ালিকচনৰ কুঁহিয়াৰ, ঔষধি আৰু সুগন্ধি গৱেষণা কেন্দ্ৰই যুটীয়াভাৱে কৃষি ভিত্তিক আজীৱিকাৰ সুবিধাসমূহৰ বিষয়ত দুদিনীয়াকৈ ২১ আৰু ২২ আগষ্টত কৌশল বিকাশ প্ৰশিক্ষণ সম্পন্ন কৰে। এই প্ৰশিক্ষণত ৩০জন প্ৰশিক্ষাৰ্থীয়ে অংশগ্ৰহণ কৰে। এই প্ৰশিক্ষাৰ্থীসকলক গোলাঘাট কৃষি বিভাগ, বেচৰকাৰী সংগঠন, গৱেষণা কেন্দ্ৰ আদিৰ সহযোগত আমন্ত্ৰণ কৰা হয়। প্ৰশিক্ষণৰ প্ৰথম দিনা আগৰ খেতিৰ ওপৰত সত্যম বৰদলৈয়ে প্ৰশিক্ষণ আগবঢ়ায়। আগৰৰ পুলি বাগান প্ৰস্তুতকৰণ, আগৰৰ খেতি, কৃত্ৰিমভাৱে আগৰ গছত ভেঁকুৰ প্ৰয়োগ আদিৰ ওপৰত বৰদলৈয়ে আলোকপাত কৰে। ভেঁকুৰৰ inoculum আগৰ গছৰ হাতে কামে ফুটা কৰি প্ৰয়োগ কৰা হয়। প্ৰতিষ্ঠানৰ বিজ্ঞানী ৰাজীৱ কুমাৰ কলিতাৰ তত্ত্বাৱধানত কাজল গুপ্তা আৰু গুৰপ্ৰীত কৌৰে আগৰ গছত ভেঁকুৰ সুমুৱাই দিয়া প্ৰযুক্তি কৌশল জীৱন্ত গছত হাতে কামে কৰি দেখুৱায়। গৱেষণা কেন্দ্ৰৰ মুখ্য বিজ্ঞানী তুলসী প্ৰসাদ শইকীয়াই কৃষি বনানীকৰণত প্ৰশিক্ষণ আগবঢ়ায়। প্ৰশিক্ষাৰ্থীসকলে গৱেষণা কেন্দ্ৰৰ ক্ষেত্ৰসমূহ প্ৰদক্ষিণ কৰে। দ্বিতীয় দিনা বাঁহৰ ওপৰত প্ৰশিক্ষণ আগবঢ়াই ৰাজীৱ কুমাৰ কলিতাই। তেওঁ বাঁহৰ পুলি বাগান প্ৰস্তুত, বাঁহৰ প্ৰয়োজনীয়তা, বাঁহৰ খেতি আদিৰ বিষয়ে প্ৰশিক্ষণ আগবঢ়ায়। প্ৰতিষ্ঠানৰ কাৰিকৰী বিষয়া দেবজিৎ নেওগে বাঁহৰ পুলি বাগান তৈয়াৰ কৰা বিভিন্ন সংবৰ্ধন পদ্ধতিসমূহ হাতে কামে কৰি দেখুৱায়। গুণসম্পন্ন ৰোপণ সামগ্ৰী উৎপাদনত বীজৰ ভূমিকা সম্পৰ্কে প্ৰশিক্ষণ আগবঢ়ায় প্ৰতিষ্ঠানৰ বিজ্ঞানী ড° বিশ্বনাথ শৰ্মাই। অসম কৃষি বিশ্ববিদ্যালয়ৰ গৱেষণা সঞ্চালক ড° মৃণাল শইকীয়া পৰিবৰ্তিত সময়ত খাপ খুৱাকৈ নিজকে সক্ষম কৰি ল'বৰ বাবে সকলোকে আহ্বান জনায়। বিশেষকৈ কাৰ্বন ব্যৱসায়ৰ ওপৰত আলোকপাত কৰে। প্ৰশিক্ষণৰ শেষত প্ৰশিক্ষাৰ্থীসকলক মান-পত্ৰ প্ৰদান কৰা হয়।